आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 08.09.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- उत्तराखंड में अंतिम मतदाता सूची तीन अक्टूबर को प्रकाशित की जाएगी।
- मुख्य सचिव आनदं बर्धन ने वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के पहले और दूसरे चरण की सभी परियोजनाओं की प्राथमिकता तय करने के बाद ही केंद्र को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।
- हरिद्वार में कुंभ मेला–2027 के कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के लिए मेला प्रशासन ने निगरानी व्यवस्था मजबूत की।
- देहरादून में जल संसाधनों के वैज्ञानिक और टिकाऊ प्रबंधन पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन।

एसआईआर

भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तराखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की तिथि बढ़ाकर 3 अक्टूबर कर दी है। पहले अंतिम सूची 15 सितंबर को प्रकाशित होनी थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने देहरादून में आयोजित पत्रकार वार्ता में ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 24 लाख 30 हजार नोटिसों में से 99 प्रतिशत से अधिक की सुनवाई पूरी हो चुकी है। वहीं, फार्म–6, 7 और 8 से संबंधित करीब 40 प्रतिशत दावों और आपत्तियों की सुनवाई भी पूरी हो गई है। उन्होंने बताया कि नए कार्यक्रम के अनुसार दावे और आपत्तियों की सुनवाई 28 सितंबर तक की जाएगी, जबकि अंतिम मतदाता सूची तीन अक्टूबर को प्रकाशित की जाएगी।

मुख्य सचिव

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम की राज्य स्तरीय अनुमोदन समिति की बैठक हुई। बैठक में पहले और दूसरे चरण के तहत प्रस्तावित विभिन्न विकास परियोजनाओं पर चर्चा की गई और कई परियोजनाओं को संस्तुति दी गई। मुख्य सचिव ने सीमावर्ती गांवों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए सड़क, बिजली, संचार और नेटवर्क कनेक्टिविटी के साथ पर्यटन, रोजगार और आजीविका से जुड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने सेना, एसएसबी और आईटीबीपी की आवश्यक परियोजनाओं को भी प्रस्तावों में शामिल करने को कहा। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के पहले और दूसरे चरण के अंतर्गत सभी परियोजनाओं को प्राथमिकता निर्धारित करने के बाद ही केंद्र सरकार को भेजा जाए। उन्होंने इसके लिए प्रत्येक सम्बन्धित जिले से पांच–पांच बड़े और महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने ऐसी परियोजनाएं तैयार करने पर जोर दिया, जो वाइब्रेंट विलेज क्षेत्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

बीस सूत्री कार्यक्रम

रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बीस सूत्री कार्यक्रमों की प्रगति में तेजी लाते हुए सी और डी श्रेणी के कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें ए श्रेणी में लाने के निर्देश दिए हैं। जिला कार्यालय सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों की योजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, हर घर नल, बाल प्रतिरक्षण, नियमित टीकाकरण और जननी सुरक्षा योजना की प्रगति की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कम प्रगति वाली योजनाओं के कारणों की समीक्षा कर प्रभावी कार्ययोजना बनाने और उसका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पात्र लाभार्थियों को समय पर योजनाओं का लाभ देने तथा स्वास्थ्य योजनाओं में शत–प्रतिशत पात्र बच्चों और गर्भवती महिलाओं को लाभान्वित करने पर विशेष जोर दिया।

मुलाकात

तंजानिया स्थित अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो का सफल आरोहण करने वाले उत्तराखंड के नन्हे पर्वतारोही रियांश पंत और प्रिशा रावत ने आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दोनों बच्चों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अल्मोड़ा जिले के चीनाखान निवासी 9 वर्षीय रियांश पंत और नैनीताल जिले के बैलपड़ाव की 10 वर्षीय प्रिशा रावत ने 22 अगस्त को 5 हजार 895 मीटर ऊंची माउंट किलिमंजारो चोटी का सफल आरोहण कर तिरंगा फहराया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों बच्चों की सफलता उनके साहस, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास का परिचायक है और यह प्रदेश के अन्य बच्चों व युवाओं को बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।

कुंभ मेला

हरिद्वार में अगले साल आयोजित होने वाले कुंभ मेला के कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के लिए मेला प्रशासन ने निगरानी व्यवस्था मजबूत की है। मेलाधिकारी सोनिका ने कुंभ क्षेत्र के करीब डेढ़ दर्जन जिला स्तरीय अधिकारियों और उप जिलाधिकारियों को विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे कार्यों के अनुश्रवण की जिम्मेदारी सौंपी है। नामित अधिकारी नियमित स्थलीय निरीक्षण कर हर सप्ताह कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की रिपोर्ट मेलाधिकारी को देंगे। मेलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी के साथ गुणवत्ता बनाए रखने और किसी भी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित

करने के निर्देश दिए। कुंभ क्षेत्र को 32 सेक्टरों में बांटा गया है, जिसमें हरिद्वार के अलावा देहरादून, पौड़ी गढ़वाल और टिहरी गढ़वाल के क्षेत्र शामिल हैं। मेलाधिकारी ने घाटों, पुलों और अन्य बड़ी परियोजनाओं के साथ सड़कों, फुटपाथों, चौराहों तथा शिविर स्थलों के कार्यों पर विशेष निगरानी के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला

देहरादून स्थित भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान में जल संसाधनों के वैज्ञानिक और टिकाऊ प्रबंधन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू हुई। कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से 400 से अधिक विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विद्यार्थी ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से भाग ले रहे हैं। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य जल संसाधन प्रबंधन व बेसिन प्लानिंग की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। इसमें जल विज्ञान डेटा, हाइड्रोलॉजिकल सिमुलेशन, मॉडलिंग, भूजल पुनर्भरण, नदी पुनरुद्धार और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए। विशेषज्ञों ने कहा कि बढ़ती जल मांग, अनियमित वर्षा और भूजल स्तर में गिरावट के बीच डेटा आधारित वैज्ञानिक तकनीकें जल सुरक्षा और टिकाऊ जल प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन के कारण जल संसाधनों पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों का आकलन और भविष्य की परिस्थितियों के अनुरूप जल संसाधन प्रबंधन की रणनीति विकसित करने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

निरीक्षण

उत्तरकाशी के मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह ने भटवाड़ी के ग्राम सिरोर स्थित राजकीय प्राथमिक और उच्चतर प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षक उपस्थिति, मिड–डे मील, पोषण, स्वच्छता, पेयजल और शौचालय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति भी परखी और शिक्षकों को नवाचारी शिक्षण पद्धतियां अपनाने तथा विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता के अनुरूप विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयी व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने को कहा।

विद्यार्थी आकलन

टिहरी जिले में विद्यार्थियों की शैक्षिक दक्षताओं को मजबूत करने के उद्देश्य से दक्षता आधारित आकलन किया गया। इसके तहत कक्षा दो, पांच और आठ के विद्यार्थियों का दक्षता आधारित आकलन कराया गया। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण–2024 के परिणामों के विश्लेषण के आधार पर विद्यार्थियों की कमजोर दक्षताओं में सुधार और सतत् आकलन के उद्देश्य से जिले के एक हजार 743 राजकीय विद्यालयों में यह प्रक्रिया संपन्न हुई। आकलन में करीब 10 हजार विद्यार्थियों ने हिन्दी, गणित, पर्यावरण अध्ययन,

विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों में अपनी दक्षताओं का परीक्षण कराया। अधिकारियों ने बताया कि इससे विद्यार्थियों की विषयवार प्रगति का आकलन कर आवश्यक शैक्षिक सुधारात्मक कदम उठाने में मदद मिलेगी। छात्रों की प्रगति आख्या विद्या समीक्षा केंद्र के प्रगति पोर्टल पर अपलोड की गई।